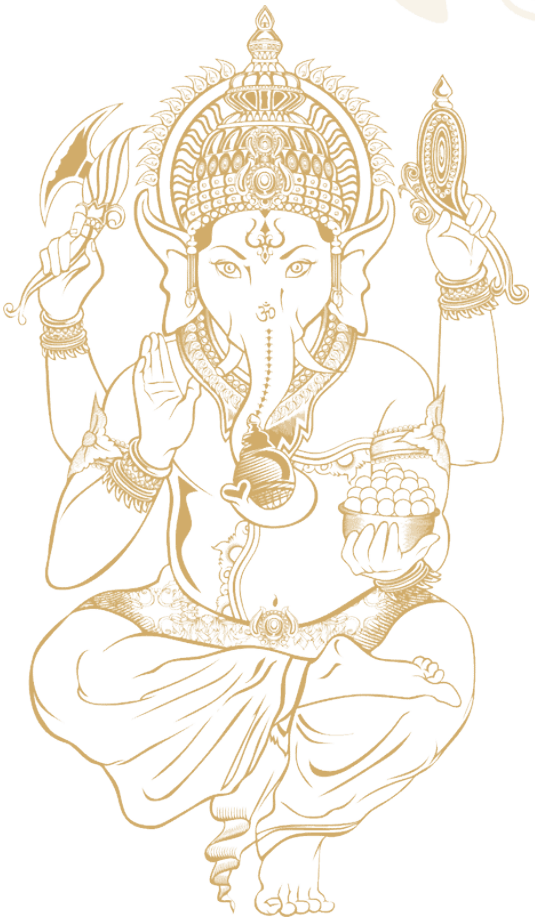

????

07 Aug 1965

12:05 PM

Kanpur

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/08/1965**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**12:05:00 घंटे**
इष्ट	16:10:39 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:56:16 घंटे
वेलान्तर	-00:05:44 घंटे
साम्पातिक काल	08:58:35 घंटे
सूर्योदय	05:36:44 घंटे
सूर्यास्त	18:51:51 घंटे
दिनमान	13:15:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	21:10:07 कर्क
लग्न के अंश	16:11:02 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वैधृति
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यी-यीशू
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	16:11:02	313:44:15	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	21:10:07	00:57:29	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	25:46:30	12:00:55	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	नीच राशि
मंगल			कन्या	28:26:41	00:36:17	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
बुध	व	अ	सिंह	05:27:53	00:27:48	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मित्र राशि
गुरु			मिथु	00:15:51	00:11:03	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	21:54:11	01:12:13	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	22:35:31	00:03:32	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	स्वराशि
राहु	व		वृष	18:37:26	00:00:54	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	18:37:26	00:00:54	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	मित्र राशि
हर्ष			सिंह	19:55:07	00:03:25	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
नेप			तुला	23:52:47	00:00:17	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
प्लूटो			सिंह	21:36:26	00:01:54	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	18:48:20	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:22:21

लग्न-चलित

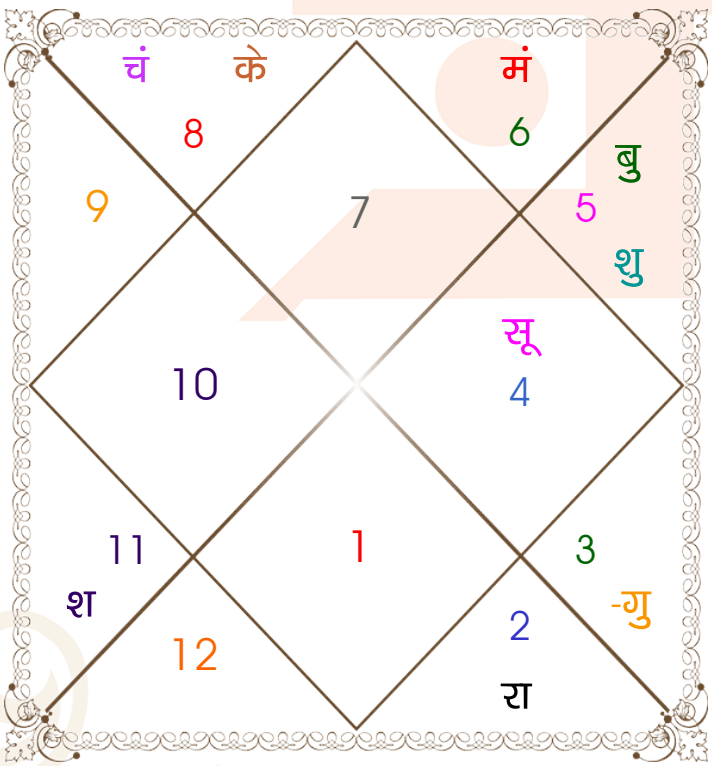

चन्द्र कुंडली

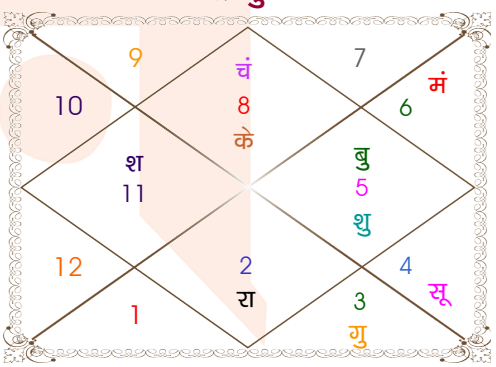

नवमांश कुंडली

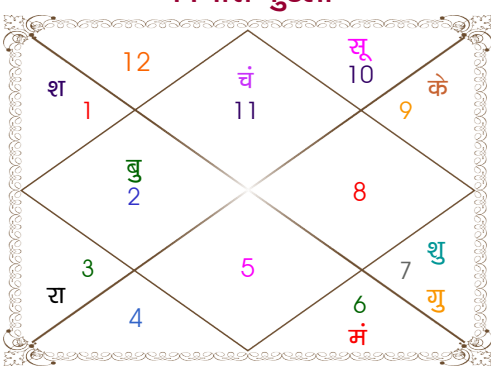

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 5 वर्ष 4 मास 19 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
07/08/1965		27/12/1970		26/12/1977		26/12/1997		27/12/2003	
27/12/1970		26/12/1977		26/12/1997		27/12/2003		26/12/2013	
	00/00/0000	केतु	25/05/1971	शुक्र	27/04/1981	सूर्य	15/04/1998	चंद्र	26/10/2004
	00/00/0000	शुक्र	24/07/1972	सूर्य	27/04/1982	चंद्र	14/10/1998	मंगल	27/05/2005
	00/00/0000	सूर्य	29/11/1972	चंद्र	27/12/1983	मंगल	19/02/1999	राहु	26/11/2006
	00/00/0000	चंद्र	30/06/1973	मंगल	25/02/1985	राहु	14/01/2000	गुरु	27/03/2008
	00/00/0000	मंगल	26/11/1973	राहु	26/02/1988	गुरु	01/11/2000	शनि	26/10/2009
	07/08/1965	राहु	14/12/1974	गुरु	27/10/1990	शनि	14/10/2001	बुध	28/03/2011
राहु	10/01/1966	गुरु	20/11/1975	शनि	26/12/1993	बुध	21/08/2002	केतु	27/10/2011
गुरु	17/04/1968	शनि	29/12/1976	बुध	26/10/1996	केतु	27/12/2002	शुक्र	27/06/2013
शनि	27/12/1970	बुध	26/12/1977	केतु	26/12/1997	शुक्र	27/12/2003	सूर्य	26/12/2013

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
26/12/2013		26/12/2020		27/12/2038		27/12/2054		26/12/2073	
26/12/2020		27/12/2038		27/12/2054		26/12/2073		00/00/0000	
मंगल	24/05/2014	राहु	08/09/2023	गुरु	13/02/2041	शनि	29/12/2057	बुध	24/05/2076
राहु	12/06/2015	गुरु	01/02/2026	शनि	27/08/2043	बुध	07/09/2060	केतु	21/05/2077
गुरु	18/05/2016	शनि	08/12/2028	बुध	02/12/2045	केतु	17/10/2061	शुक्र	21/03/2080
शनि	27/06/2017	बुध	27/06/2031	केतु	08/11/2046	शुक्र	17/12/2064	सूर्य	25/01/2081
बुध	24/06/2018	केतु	15/07/2032	शुक्र	09/07/2049	सूर्य	29/11/2065	चंद्र	27/06/2082
केतु	20/11/2018	शुक्र	15/07/2035	सूर्य	27/04/2050	चंद्र	30/06/2067	मंगल	24/06/2083
शुक्र	20/01/2020	सूर्य	08/06/2036	चंद्र	27/08/2051	मंगल	08/08/2068	राहु	07/08/2085
सूर्य	27/05/2020	चंद्र	08/12/2037	मंगल	02/08/2052	राहु	15/06/2071		00/00/0000
चंद्र	26/12/2020	मंगल	27/12/2038	राहु	27/12/2054	गुरु	26/12/2073		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 5 वर्ष 4 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।